नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

इंदौर का सड़क हादसा चिंताजनक

इंदौर के एयरपोर्ट रोड पर हुआ ट्रक हादसा केवल एक दुखद घटना नहीं, बल्कि हमारी स्थानीय प्रशासन की असफलताओं का प्रमाण है. सड़क पर भीड़, असावधान ट्रैफिक मैनेजमेंट और नियमों की धज्जियां उड़ाता पुलिस और परिवहन तंत्र,सब मिलकर यह साबित करते हैं कि आम आदमी का जीवन इस देश में सबसे सस्ता है .एक बेकाबू ट्रक ने भीड़ और कई वाहनों को रौंद डाला. आग भड़क गई, चीख-पुकार मच गई, लोग अस्पतालों में तड़पते रहे. दो मौतों की पुष्टि सोमवार को हो चुकी थी. जबकि एक व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु मंगलवार को अस्पताल में इलाज के दौरान हुई.

सवाल यह है कि शहर के बीचोबीच शाम 7 बजे से पहले भारी वाहन घुसा ही कैसे? क्या ट्रैफिक पुलिस सो रही थी? क्या प्रशासन की आंखों पर पट्टी बंधी है ? बेलगाम ट्रक का शहर के अंदर भीड़-भाड़ वाले इलाके में बेकाबू होकर घुस जान कोई नई घटना नही है. सतना में (7 अगस्त 2013) ऐसी ही घटना हो चुकी है, जिसमें 11 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी. जाहिर है स्थानीय प्रशासन ने उस घटना से कोई सबक नहीं लिया. जबकि तब ही पूरे मध्य प्रदेश में यह अलर्ट किया जाना चाहिए था जिससे इस दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो. इंदौर जैसे शहर में, जो स्मार्ट सिटी कहलाता है, वहां ट्रैफिक मैनेजमेंट की यह दुर्दशा शर्मनाक है. पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से रोज़ाना नियम तोड़ते ट्रक, बिना फिटनेस के वाहन, ओवरलोडिंग और नशे में धुत ड्राइवर बेखौफ घूमते हैं. यही बेपरवाही हादसों को जन्म देती है. हादसा होने पर कुछ घंटों की सक्रियता दिखाई जाती है, लेकिन फिर सब कुछ पुराने ढर्रे पर लौट जाता है.

यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है कि हर मौत को आंकड़ा बना दिया जाता है कि,इतनी मौतें, इतने घायल, इतने गंभीरज और उसके बाद कागजों पर कार्रवाई पूरी. इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं. इंदौर की घटना ने यह साफ कर दिया है कि पुलिस और ट्रांसपोर्ट सिस्टम सड़ा हुआ है. भारी वाहनों के प्रवेश की अनुमति किसके इशारे पर मिलती है ? कौन अधिकारी गश्त पर था ? दमकल और एंबुलेंस देर से क्यों पहुंचे ? यह सब जिम्मेदारी तय करने वाले सवाल हैं. जनता अब और कितनी मौतें सहे ? सड़कें केवल गाड़ियों के लिए नहीं, इंसानों के जीवन की सुरक्षा के लिए भी होती हैं. जब स्थानीय प्रशासन अपने कर्तव्य से भागेगा, तो ऐसे हादसे होंगे ही. यह सिस्टम तभी बदलेगा जब दोषियों को कड़ी सज़ा मिले .

इंदौर का यह हादसा चेतावनी है. अगर पुलिस और प्रशासन अब भी नहीं जागे, तो हर शहर में यही मंजर दोहराया जाएगा. यह केवल ट्रक चालक की गलती नहीं, यह पूरे स्थानीय सिस्टम का अपराध है. जिनकी जान गई, वे किसी के घर के चिराग थे. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव घटना की जानकारी मिलते ही इंदौर आए और अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घायलों से मिले . उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों का आकलन किया और दोषियों पर कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए .

राष्ट्र निर्माण के प्रेरक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

डॉ . मोहन यादव

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है, जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है, समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है.

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं. हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं. उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है. वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे. इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा% पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे. मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ. प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है. उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है. यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है.

उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है. कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है. उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया. उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है. यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं.

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा. वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे. गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया. प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना. इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया. श्री मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली. इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ सेवाएं प्राप्त हो रही हैं. समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिये प्रधानमंत्री जी ने हमें 'विरासत के साथ विकास' का नारा दिया. भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई.

मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया. जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था. केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है. तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है. आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया. %स्पेस टेक्नोलॉजी% में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं उसका क्रियान्वयन भी करते हैं. उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया. इस फैसले से देश की कर-प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी. प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोज़गार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं. ये नीतियाँ देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म-सम्मान का प्रतीक बनी. अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन श्री मोदी जी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया. रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है.

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

जन्मदिवस पर विशेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व पूरे विश्व के लिए प्रेरणा स्त्रोत

राजेन्द्र शुक्ल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का व्यक्तित्व आज पूरे विश्व में प्रेरणा का स्त्रोत है. उनके नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व गति से प्रगति पथ पर कदम बढ़ाए हैं. उनके जन्मदिवस पर हम सभी कृतार्थ अनुभव कर रहे हैं और उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करते हैं. उन्होंने भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के साथ ही भारतीय संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया है. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का उनका मंत्र आज राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है.

प्रधानमंत्री मोदी जी का नेतृत्व उस समय और अधिक प्रभावी सिद्ध हुआ जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी. विषम परिस्थितियों में उन्होंने भारत को न केवल सुरक्षित रखा बल्कि प्रगति की नई दिशा भी दी. आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है. यह उपलब्धि केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर है. वास्तव में प्रधानमंत्री जी के प्रयास भारत को विश्वगुरु के स्थान तक ले जाने वाले हैं. उनकी सोच वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार करती है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में शांति और सामूहिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है. स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्य ऐतिहासिक हैं. पहले कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि कोई सरकार 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर सकती है. लेकिन आयुष्मान भारत योजना ने इसे साकार कर दिखाया. करोड़ों गरीब परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान कर उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला है. 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए 'वयवंदना योजना' के तहत 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा ने उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास दिया है. कोविड-19 महामारी के कठिन समय में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण और देशव्यापी टीकाकरण अभियान ने भारत को दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा कर दिया.

जनकल्याण के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री जी का योगदान असाधारण है. किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के विकास के लिए उन्होंने ऐसी योजनाएँ शुरू कीं, जो सीधे उनकी जिंदगी बदलने वाली सिद्ध हुईं. जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का अभियान केवल स्वास्थ्य और स्वच्छता ही नहीं बल्कि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधारने का भी प्रतीक है. यह पहल उतनी ही परिवर्तनकारी है जितनी अटल जी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना थी, जिसने देश के गाँवों को नई पहचान दी थी.

आर्थिक मोर्चे पर मोदी जी के नेतृत्व ने भारत को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है. एक समय 11वें स्थान पर रही भारतीय अर्थव्यवस्था आज चौथे स्थान पर पहुँच गई है और जापान जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ चुकी है. 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों ने न केवल भारत को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि देश को नवाचार और प्रौद्योगिकी का केंद्र भी स्थापित किया है. अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है. जी-20 की अध्यक्षता और वैश्विक मंचों पर भारत की सशक्त भूमिका ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भारत अब केवल उभरती हुई शक्ति नहीं, बल्कि दुनिया का पथप्रदर्शक है.

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर विशेष

भारत के स्वाभिमान को जगाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जगदीश देवड़ा

भारत के नागरिक भाग्यशाली हैं कि वे भारत का नवनिर्माण होता देख रहे हैं. हर क्षेत्र में नया भारत बन रहा है. इन गौरवशाली क्षणों का श्रेय यशस्वी, सशक्त और विश्व दृष्टि सम्पन्न प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है. उन्होंने भारत के स्वाभिमान को जगाया है और आत्म-विश्वास को मजबूत किया है.

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से कोटि-कोटि बधाइयां और शुभकामनाएं. वे दीर्घायु हों और हमेशा हमें नेतृत्व प्रदान करते रहें. वे अपने जन्म दिवस पर मध्यप्रदेश को ऐसा उपहार देने आये हैं, जिससे प्रदेश और देश के इतिहास में एक नया पन्ना जुड़ा रहा है. देश की महत्वाकांक्षी पीएम मित्र पार्क परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है. यह पार्क मध्यप्रदेश के लिये अनमोल उपहार साबित होगा. हमारे कपास उत्पादक किसानों का जीवन बदलेगा और समृद्धधि के नये द्वार खुलेंगे.

प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए वरदान साबित हुए हैं. भारत निराशा में डूबा राष्ट बनता जा रहा था. युवाओं में भी निराशा थी. व्यापार डूब रहा था. भ्रष्टाचार फैल रहा था. हमारी कोई वैश्विक पहचान नहीं थी. अर्थव्यवस्था में हम पिछड़े गये थे. प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही उन्होंने अविलंब विकासोन्मुखी कार्यों की शुरूआत कर दी. राष्ट्रवादी मूल्यों और संस्कृति में वे अच्छी तरह पल्लवित थे. प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत बदल रहा है. हर क्षेत्र में नये परिवर्तन हो रहे हैं. हमारी नीचे जाती अर्थव्यवस्था अब विश्व की तीसरी बढ़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है.

प्रधानमंत्री मोदी एक युग-दृष्टा हैं. वे भविष्य को पहचान लेते हैं और आने वाली चुनौतियों से निपटने की रणनीतियां तैयार रखते हैं. उन्होने विश्वपटल पर भारत की पहचान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है. श्री मोदी जी का जीवन हमें निरंतर प्रेरणा देता है. साधारण परिवार में जन्म लेकर देशहित को सर्वोपरि मानते हुए वे जिस तरह जनसेवा के पथ पर अग्रसर हुए, वह असाधारण है. बचपन से ही राष्ट्रप्रेम और सेवा-भावना उनकी शक्ति रही. आज जब हम 21वीं सदी के भारत की कल्पना करते हैं, तब श्री मोदी जी का व्यक्तित्व और कार्यशैली एक मार्गदर्शक दीपस्तंभ के रूप में सामने आते हैं.

प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने भारत को केवल 'विकास' की दिशा में आगे नहीं बढ़ाया, बल्कि 'विश्वगुरु' बनने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए. स्वच्छ भारत अभियान से लेकर स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक मोदी जी की हर पहल जनता के कल्याण और देश को मजबूत बनाने का सशक्त कदम है. उन्होंने स्वदेशी अपनाने के लिये समस्त भारतीयों को प्रेरित किया है. श्री मोदी को देश की युवा शक्ति और उनके कार्य कौशल पर अटूट भरोसा है. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने भारत की साख को इतना ऊँचा उठाया है कि आज पूरा विश्व भारत के नेतृत्व को सम्मान की दृष्टि से देखता है. ज20 की अध्यक्षता, अंतरिक्ष विज्ञान में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ, सीमा सुरक्षा की सुदृढ़ता और गरीब कल्याण की योजनाएँ उनके नेतृत्व की गाथा को अमर कर रही हैं. ऑपरेशन सिंदूर से विश्व पटल पर भारत की एक अलग छवि बनी है.

मध्यप्रदेश में भी मोदी जी की नीतियों और दूरदर्शिता का सीधा लाभ जनता को मिला है. प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि निःशुल्क राशन, जैसी योजनाओं ने करोड़ों परिवारों का जीवन बदला है. गाँव-गाँव तक सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल कनेक्टिविटी पहुँचाना मोदी जी के संकल्प और अथक परिश्रम का परिणाम है. वे केवल राजनेता नहीं, बल्कि एक संकल्प और नवाचार के अद्वितीय प्रतीक हैं. उनका जीवन हमें सिखाता है कि ईमानदारी, राष्ट्रनिष्ठा और कठोर परिश्रम से असंभव को भी संभव किया जा सकता है.

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी वैश्विक लोकप्रियता साबित करते हुए दुनिया के सबसे पसंदीदा नेता बनने का गौरव हासिल किया है. एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में पीएम मोदी को 75 प्रतिशत 'अप्रूवल रेटिंग' मिली है. यह रेटिंग उन्हें 20 देशों के शीर्ष नेताओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है. विशेषज्ञों का कहना है कि श्री मोदी की लोकप्रियता का कारण उनकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय छवि, निर्णय लेने की क्षमता और भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर आधारित स्पष्ट नीतियां हैं. यह इस बात का संकेत है कि भारत न केवल वैश्विक राजनीति में तेजी से उभर रहा है बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी स्वीकृति मिल रही हैं. ऑपरेशन सिंदूर और जीएसटी सुधार से पूरे विश्व में भारत के प्रति दृष्टि?कोण बदल गया है.

(लेखक मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री हैं.)

संपादकीय बोर्ड प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भवन संबंधी विवाद का सामना करना पड़ेगा, व्यर्थ वाद विवाद से मतभेद बढ़ेगा, वर्ष के मध्य में रचनात्मक कार्यो में सफ्लता मिलेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होगी, राज सम्मान एवं मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापार में प्रगतिहोगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख प्राप्त होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को रचनात्मक कार्यो में सफ्लता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मनोबल में वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक कार्योमें सफ्लता प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, हष्टपुष्ट, सुन्दर, निडर, एवं मिलनसार स्वाभाव का होगा. बचपन में थोड़ा ज्वर, अतिसार, निमोनिया, आदि की तकलीफ उठायेगा. उसके बाद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

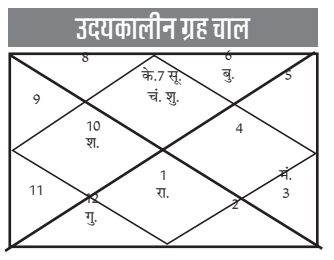

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2082 आश्विन कृष्ण एकादशी बुधवासरे रात 1/15, पुनर्वसु नक्षत्रे दिन 9/29, परिघ योगे रात 2/24, वव करणे सू.उ. 5/55 सू.अ. 6/5, चन्द्रचार कर्क, पर्व-इंदिरा एकादशी व्रत, एकादशी श्राद्ध, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

आश्विन कृष्ण एकादशी को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मक्का, के भाव में तेजी होगी. गुड़ खांड़, में घट बढ़ होगी. सोना, चांदी, के भाव में तेजी होगी. सरसों, तिल,तेल, तिलहन, में साधारण तेजी का योग है. भाग्यांक 2854 है.

मेष- जमीनजायजाद संबंधी कार्यो में सावधानी रखें. मित्रता से लाभ होगा. साहस, पराक्रम पुरूषार्थ बना रहेगा. सुख सम्मान और यश प्राप्त हो सकता है.

वृषभ- विद्या के क्षेत्र में सफ्लता प्राप्त होगी, आर्थिक एवं व्यापारिक लाभ का योग है. पारिवारिक परेशानी दूर होगी. चिन्ता का निवारण होगा.

मिथुन- मन में प्रसन्नता रहेगी. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकता है. दूर दराज की यात्रा में सावधानी बांछनीय. नियमितता बनी रहेगी.

कर्क- घरेलू वातावरण आनन्दमय रहेगा. शुभ संदेश प्राप्त होगा. नवीन योजनाओंका विकास होगा. यश मान सम्मान प्राप्त होने का योग है. जल्दबाजी से बचें.

सिंह- शारीरिक कष्ट एवं व्यर्थ का विवाद हो सकता है. कामकाज में विलंब होगा. समय अनुकूल एवं लाभदायक रहेगा. शुभ संदेश मिलेगा.

कन्या- आध्यात्मिक एवं रचनात्मक कार्योमें उत्साह रहेगा. मांगलिक कार्य बनने से प्रसन्नता होगी. मनोरंजन, उत्सव आदि के अवसर प्राप्त होंगे. खर्च होगा.

तुला- राजकीय एवं नौकरी से संबंधित कार्यो में व्यस्तता रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. लाभ होगा. जमीनजायजाद के कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

वृश्चिक- आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी. किसी नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. लापरवाही करने पर परेशानी का सामना करना होगा.

धनु- खर्च की अधिकता रहेगी. यात्रा का योग है. भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी. शांति और सहयोग बना रहेगा. मित्र मिलन होगा.

मकर- मन में प्रसन्नता रहेगी. कहीं दूर दराज की यात्रा हो सकती है. सुख सम्मान और यश प्राप्त हो सकता है. आय के प्रबल योग हैं.

कुम्भ- कौटुम्बिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगीं दूर की यात्रा हो सकती है. सुख सम्मान और यश प्राप्त हो सकता है. आय के प्रबल योग हैं.

मीन- आपके साहस पराक्रम एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी. नियोजित काम बनेगा. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. साहस पराक्रम बढ़ेगा.

दुनिया के लिए एक दीप स्तंभ हैं प्रधानमंत्री मोदी

लखन पटेल

आज हमारे यशस्वी, युगदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का 75 वां जन्म दिवस है. यह मध्यप्रदेश के लिए सौभाग्य और गौरव की बात है कि श्री मोदी आज यहां आ रहे हैं. वे धार जिले के ग्राम भेंसोदा में देश के महत्वाकांक्षी पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन करेंगे. यह पार्क टैक्सटाइल के क्षेत्र में न केवल मध्यप्रदेश अपितु पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा. यह उनके फाइव एफ के विजन पर काम करेगा जिसके अंतर्गत फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन और फैशन टू फॉरेन की पूरी वैल्यू चेन होगी. यह पार्क स्थानीय कपास उत्पादक किसानों की तकदीर बदल देगा. उनके जन्म दिन का इससे अच्छा तोहफा प्रदेश के लिए और क्या हो सकता है.

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के निरंतर विकास, सर्वजन कल्याण की भावना के कार्यो से भारत में तो चहुंमुखी प्रगति हो ही रही है, उनकी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, विदेशी कूटनीति और आर्थिक सुधारों से पूरे विश्च में भारत की साख बढ़ी है और भारत फिर एक बार विश्वगुरू बनने की दिशा में अग्रसर है. वे न केवल देश के कल्याण की बात सोचते हैं, अपितु हमारी सनातक संस्कृति की अवधारणा वसुधैव कुटुंबकम को चरितार्थ करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं. उनके लिए सारा विश्व एक परिवार के समान है और वे निरंतर विश्व कल्याण के लिए कार्य करते रहते हैं. कोविड के दौरान सारी दुनिया ने इसका प्रत्यक्ष उदाहरण देखा. वैश्विक अस्थिरता और अशांति के इस

दौर में हमारी सनातन संस्कृति और उसके पोषक श्री नरेन्द्र मोदी सारे विश्व के लिए एक दीप स्तंभ की तरह हैं. श्री मोदी के ऑपरेशन सिंदूर जैसे कार्यों ने जहां सारे विश्च के समक्ष भारत को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया वहीं हाल में हुए जीएसटी सुधार देश की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देंगे. हमारी अर्थव्यवस्था आज विश्व में चौथे नंबर पर आ गई है और हम विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर हैं. भारत की जीडीपी विकास दर 7.4% हो गई, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक है. भारत में पिछले 11 वर्षों में 17 करोड़ से अधिक नई नौकरियां सृजित की गईं. देश में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य हो रहे हैं. मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हो गई है. यह वर्ष 2014 में 387 थी से बढ़कर 2025 में 780 हो गई. एमबीबीएस सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1.18 लाख हो गई.

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में गरीब कल्याण,बुनियादी ढांचे का विकास,महिला सशक्तिकरण,पर्यावरण और ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर विकास हो रहा है. गरीबों के लिए मुफ्त राशन और अन्य सुविधाएं प्रदान की गई हैं. देश भर में अच्छी गुणवत्ता की सड़कों और रेल नैटवर्क का विस्तार किया हा रहा है. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, तीन तलाक कानून की समाप्ति, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, आजीविका मिशन, उज्जवला जैसी योजनाओं से महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है. पर्यावरण, ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य हो रहे हैं. उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा में वर्ष 2030 तक देश के कुल ऊर्जा उत्पादन में 50% हिस्सेदारी और वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन का संकल्प रखा है. शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी जा रही है.

(लेखक मध्य प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री स्वतंत्रत प्रभार हैं.)